



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

पंजाब के सरी

दिनांक

1-10-25

पृष्ठ संख्या

4

कॉलम
1-4

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों हुई स्वीकृत

हृषि में दो दिवसीय
राज्य स्तरीय कृषि
अधिकारी कार्यशाला
का हुआ समापन



कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित अधिकारीगण

हिसार, 30 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हृषि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों

के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर हृषि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय

कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हृषि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-

इस कार्यशाला में प्रगति सिफारिशों जो स्वीकृत हुई

-पूरा बासमती 1718: यह धान की एक अर्ध-बीनी बासमती किस्म है जो लगभग 120 सेमी लंबी होती है। इसकी बीज से बीज तक पकने की अवधि 140 दिन है। यह पारंपरिक बासमती किस्मों की तरह सुगंधित होती है। इसकी औसत धान उपज 18-20 किंटल प्रति एकड़ है।

-काटा ऊँद-6: यह मध्यम पकाव वाली (76 दिन) भूरे रंग के दानों वाली किस्म है। यह किस्म क्रिंकल विषाणु रोग व श्यामवर्ण रोग की प्रतिरोधी एवं मोजेक, सर्कोस्पोरा धब्बा, पर्ण कुचन विषाणु व चूर्णिल आसिता रोगों के प्रति माध्यम प्रतिरोधी है। इसमें एफिड, फलियुन कीट व फली मक्खी का प्रकोप काम होता है।

-ज्वार चारा की फसल पर जस्ता व लौह तत्व की क्रमी के लक्षण प्रकट होने पर सिफारिश किए गए खाद के साथ 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट का 2 प्रतिशत यूरिया के साथ फसल पर 15 दिन के अन्तर पर दो छिड़काव करें।

-धान में पीला तना छेदक सुंडी की रोकथाम के लिए आईसोसाइक्लोसीरम 20 प्रतिशत डब्ल्यू/वी एस सी

(इन्सिपिओ) 120 मिलीलीटर 200 लीटर पानी में प्रति एकड़ की दर से रोपाई के 20 व 35 दिन पर छिड़काव करें।

-कपास की फसल में हरा तेला की रोकथाम के लिए आईसोसाइक्लोसेरम (सिमोडिस 9.2 प्रतिशत डी.सी.) की 80 मिली लीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 175-200 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार आने पर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

-गेहूं में मिश्रित खंखेपतवारों के नियंत्रण के लिए बिजाई के तुरंत बाद उचित नमी में 800 मिली प्रति एकड़ अक्लोनिफेन 36.89 प्रतिशत -धान की पराली प्रबंधन के लिए एचएस बायो-डीक्रम्पोजर तैयार किया है जिसके छिड़काव से धान की पराली को खेत में गलाने में मदद मिलेगी।

-धान की तीन पुरानी किस्मों को समग्र सिफारिशों से हटाया गया है जिनमें एचकेआर 120, एचकेआर 126 व एचकेआर 46 शामिल हैं।

-सूना फसल की सत्ता एवं बसंती किस्म को समग्र सिफारिशों से हटाया गया है।

साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर. एस. सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है। किसानों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ ड्रोन, मोबाइल एप और सौर ऊर्जा आधारित यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसान प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान मेलो, फील्ड डेमो और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि हृषि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें खरीफ फसलें, गेहूं एवं जौ, गना-मैवरा, दलहनी फसलें-चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफेरस्ट्री व डाइलेंड एग्रीकल्चर शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनौल ढांडा ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| हरि भूमि | १-१०-२५ | १२ | २-४ |

कार्यक्रम

स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें : डॉ. गर्ग

हक्किव में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज भिसार



हिसार। कार्यशाला के दैरान मंच पर उपस्थित अधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि
अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दैरान अलग-अलग फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला के समापन अवसर पर हक्किव के

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों को मिली स्वीकृत

कार्यशाला में स्वीकृत हुई कुछ सिफारिशों

1. पूरा आसमती 1718 : यह धन की एक अर्ध-बीजी बासकरता किस्म है जो लगभग 120 सेवी लंबी होती है। इसकी बीज से बीज तक पकने की अवधि 140 दिन है। यह पारपरिक बासमती फिल्मों की तरह दुरुधित होती है। इसकी ओसत धन उपज 18-20 विवर्टल प्रति एकड़ है।

2. कोटा उड्ड-6 : यह मध्यम पकाव वाली (76 बिन) मुर रोग के दानों वाली किस्म है। यह किस्म किंवल सल्फेट व 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट का 2 प्रतिशत युरिया के साथ फसल पर 15 दिन के अवसर पर दो छिडकाव करें।

धब्बा, पर्ण कुंघन विषाणु व चर्चित आसिता रोग के प्रति माध्यम प्रतिरोधी है। इसमें शफिड, फलियुन कॉट व फली मक्खी का प्रकोप कर देता है।

3. ज्वर चारा की फसल पर जस्ता व लौह तत्व की कमी के लक्षण प्रकट होने पर सिफारिश किए गए खाद के साथ 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट का 2 प्रतिशत युरिया के साथ फसल पर 15 दिन के अवसर पर दो छिडकाव करें।

4. ब्वार की उत्पादकता बढ़ाने के लिए, पानी में घुलबशील उत्तरक इलायीक 19-19-19 का 1 प्रतिशत की दर से या पांटेशियम नाइट्रोट 0.5 प्रतिशत की दर से फूल आने और फली छनने की अवस्था में छिडकाव करना लाभदायक होता है।

5. धान में पाना लायेट सुडी के प्रबंधन के लिए, रोपाई के 30 दिन से शुरू करके 10 दिनों के अंतराल पर द्राहकोवान कीरोनिस से परजीवीकृत 40,000-50,000 अडे/एकड़ की दर से चार बार छोड़ें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|---------|--------------|------|
| देलियन मासिक | १-१०-२५ | ४ | १-२ |

एचएयू में राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों स्वीकृत हुईं

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कृषि कॉलेज के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और एचएयू के वैज्ञानिकों ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की।

कार्यशाला के समापन पर एचएयू के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के

लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने एचएयू के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें, ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोत्तरी कर सकें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. सोलंकी और विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने भी संबोधित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------------------|---------|--------------|------|
| पृष्ठ द्वितीय देखिया द्वितीय | १-१०-२५ | ४ | ४-८ |

कृषि
अधिकारी
कार्यशाला में
19 सिफारिशें
स्वीकृत

हिसार, 30 सितंबर (हजा)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रवी का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर हक्किव के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने

बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृत प्रदान की गई। उन्होंने हक्किव के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। कृषि एवं किसान

कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आरएस सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि हक्किव द्वारा आयोजित कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

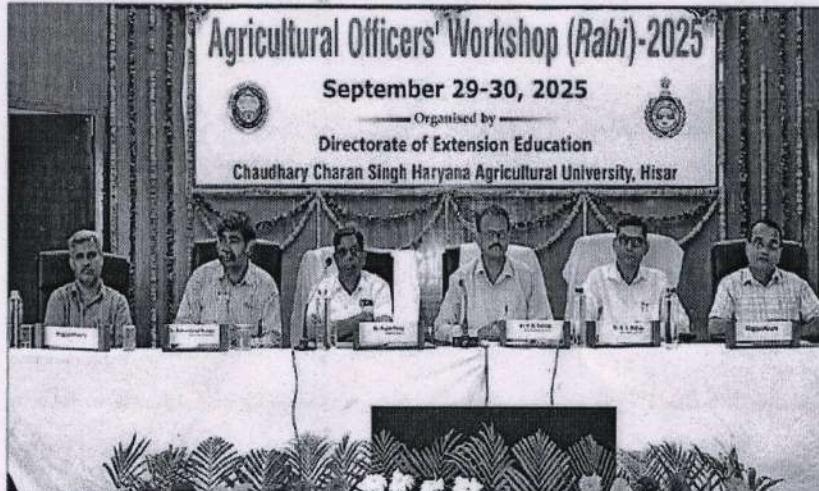
| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|----------------------|------------|--------------|------|
| समस्त हरियाणा न्यूज़ | 30.09.2025 | -- | -- |

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों हुई स्वीकृत

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों हुई स्वीकृत

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागृह में आयोजित हो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रवीं का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हक्कीवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर हक्कीवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजेश गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दोसठ 38लग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हक्कीवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक फूहचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ाते रहे। उन्होंने बीज एवं वैज्ञानिक अधिक पेदवार देने वाली रोग



अनुसंधान कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने प्रतिरोधी एवं सेत्र विशिष्ट किसों का विकास अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ.

का आव्वान करते हुए कहा कि अधिकारी एवं करना सुनिश्चित करें।

आर.एस. मोलंको ने कहा कि किसान उत्पादक

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के समठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और किया।

कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अवृत्त आवश्यक है। किसानों के लिए कट्टर्पल्यारिंग सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ होने, मोबाइल एप और रीडी डाज़ों आवासित योगों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसान प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान मेलों, फैस्टड होमों और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विस्तार सिक्षा निदेशक डॉ. बलबाल सिंह मंडल ने कहा कि हक्कीवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छुट्टी आयोजित किए गए जिनमें सुधार फसलों, गेहूं एवं जौ, मन्ना-मक्का, दलहनी फसलें-जैसा फसले, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व डाइलॉड एग्रीकल्चर शामिल हैं।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी गौन्ड रहे। मंच का संचालन डॉ. सुमील होडा ने

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सिटी पल्स न्यूज | 30.09.2025 | -- | -- |

हकूमि में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकूमि के वैज्ञानिकों द्वारा फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला के समापन अवसर पर हकूमि के अनुसंधान निदेशक व सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| चिराग टाइम्स न्यूज | 30.09.2025 | -- | -- |

हक्की में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का हुआ समापन राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों हुई स्वीकृत

चिराग टाइम्स न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रवी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हक्की के वैज्ञानिकों द्वारा रवी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर हक्की के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान



की गई। उन्होंने हक्की के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतारी कर सकें। उन्होंने बीज एवं अनुसंधान कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारी एवं वैज्ञानिक अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी एवं क्षेत्र विशिष्ट किस्मों का विकास

करना सुनिश्चित करें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कॉल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है।

किसानों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ ड्रोन, मोबाइल एप और सौर ऊर्जा आधारित यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसान

प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान मेलों, फील्ड डेमो और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने कहा कि हक्की द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न रूप सत्र आयोजित किए गए जिनमें खरीफ फसलें, गेहूं एवं जौ, गन्धी-मक्का, दलहनी फसलें-चारा फसलें, तिलहनी तथा एग्रोफोरेस्ट्री व ड्राइलेंड एग्रीकल्चर शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मीजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।